आपदा

DISASTER

दीपक कुमार रावत
(अनुदेशक नागरिक सुरक्षा)

- ´**DISASTER**`शब्द की उत्पत्ति फ्रेंच शब्द ´**Desastre**` से हुई है। **De** का अर्थ है,खराब या विपत्ति और **aster** का अर्थ है नक्षत्र। प्राचीनकाल में आपदा को कुछ अमंगलकारी नक्षत्रों का प्रभाव माना जाता थां। आजकल डिजास्टर शब्द सामान्यतया किसी भी एसी असामान्य घटना , चाहे वह प्राकृतिक हो, या मानव निर्मित,के लिए प्रयुक्त किया जाता है,जो इतनी अधिक असीम विपत्ति तथा संकट उत्पन्न करता है कि बाहरी सहायता के बिना स्थानीय संसाधनों से उस स्थिति का सामना करना कठिन होता है

परिभाषाएँ

- आपदा अचानक महा विपत्ति या संकट है।
- आपदा अचानक आई हुई विपत्ति है जिससे बडे.पैमाने पर जान तथा माल का नुकसान होता है।
- एसी घटना जो किसी समय और स्थान पर केन्द्रित होती है जिसमें समाज खतरे से गुजरता है,
- समाज की आत्म निर्भरता टूटती है,सारी व्यवस्थाएँ छिन्न.भिन्न हो जाती हैं और सामाजिक
- व्यवस्थाएँ जिन्हें अभी तक सांस्कृतिक रुप में पर्याप्त माना जाता रहा था, वे सभी स्थितिया
- समाप्त हो जाती हैं।

संकट और आपदा में अन्तर

- संकट और आपदा में निकट का संबंध है। संकट एक प्राकृतिक घटना है जबकि आपदा उसका परिणाम है। संकट एसी मूर्त प्राकृतिक घटना है जिसमेंजान तथा माल दोनों का खतरा होता है। आपदा इस प्रकार के संकट की पराकाष्ठा है। संकट में आपदा की संभावना छिपी रहती है।

आपदाओं के प्रकार

- आपदा दो प्रकार की होती है :–
- 1. प्राकृतिक आपदाऐं
- 2. मानव निर्मित आपदाऐं

प्राकृतिक आपदाऐं

- वायु से संबंधित – तूफान, चक्रवात,बवंडर, तूफानी लहरें, ज्वारीय तरंगें।
- जल से संबंधित – बाढ,बादल का फटना,अचानक बाढ,अति वृष्टि,सूखा।
- पृथ्वी से संबंधित – भूकम्प, सुनामी, भूस्खलन, हिमस्खलन,ज्वालामुखी का फटना।

मानव निर्मित आपदाऐं

- दुर्घटनाएं – सड़क,रेल,वायु,समुद्र,मकान का ढहना।
- औद्योगिक दुर्घटनाऐं – गैस रिसाव,विस्फोट,तोड फोड,सुरक्षा व्यवस्था की विफलता।
- आग – मकानों,कोयला,तेल में आग लगना।
- वन में आग लगना – (शीत ऋतुओं में) बहुधा मनुष्यों द्वारा लगाई जाती है।

मानव निर्मित आपदाऐं

- दूषण/विषाक्तीकरण – भोजन,पानी, गैर कानूनी शराब,महामारी।
- आतंकवादी गतिविधियॉं
- पारिस्थितिकी – प्रदूषण(वायु, जल और ध्वनि) मृदा कोटि का ह्रास,जैव विविधता की क्षति,भूमंडलीय तापन (ग्लोबल वार्मिंग)।
- युद्ध – परम्परागत,रासायनिक,परमाणु।

आपदा प्रबन्धन

- आपदा के प्रभाव को कम करने के लिये तैयार किये गए किया–कलाप आपदा प्रबन्धन कहलाते हैं।

आपदा प्रबन्धन के प्रकार

- आपदा प्रबन्धन की तीन प्रमुख अवस्थाएँ हैं –

  - आपदाओं से पहले प्रबंधन [Pre Disaster]
  - आपदाओं के समय प्रबंधन [During a Disaster]
  - आपदाओं के पश्चात प्रबंधन [Post Disaster]

- भारतीय रेल में आपदा प्रबन्धन सर्वप्रथम सन् 1986 में प्रारम्भ किया गया।

आपदाओं के प्रबन्धन का उत्तरदायित्व

क्र०सं०	आपदाएँ	केन्द्रक मन्त्रालय
1.	प्राकृतिक आपदा (अकाल छोड़कर)	गृह मन्त्रालय
2.	अकाल	कृषि मन्त्रालय
3.	वायु दुर्घटनाएँ	वायु परिवहन मन्त्रालय
4.	रेल दुर्घटनाएँ	रेल मन्त्रालय
5.	रासायनिक दुर्घटनाएँ	गृह मन्त्रालय
6.	जैविक आपदाएँ	गृह मन्त्रालय
7.	परमाणु आपदाएँ	गृह मन्त्रालय
8.	छुआछूत की बीमारियाँ	स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्रालय

धन्यवाद